भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

11.12.2013 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 965

परमाणु कार्यक्रम

965. श्री पी. कुमार:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार अन्य देशों जैसे जर्मनी और जापान द्वारा परमाणु ऊर्जा पर अपनी निर्भरता समाप्त करने के लिए किए गए निर्णय की परवाह किए बगैर अपना परमाणु कार्यक्रम बिना किसी अवरोध के जारी रखने का है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से उन्नत यूरेनियम आपूर्ति के कारण देश में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार उन्नत तकनीकों के प्रयोग द्वारा यूरेनियम के नए भंडारों की पहचान करने में सक्षम रही है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय

(श्री वी. नारायणसामी)

(क) जी, हाँ।

(ख) बिजली का उत्पादन करने के लिए ऊर्जा के किसी स्रोत का पता लगाना प्रत्येक देश के हिसाब से अलग-अलग होता है, और यह विभिन्न कारकों जैसेकि मांग, ऊर्जा के विभिन्न विकल्पों की उपलब्धता आदि पर निर्भर करता है। जहां तक भारत का संबंध है, हमारा देश ऊर्जा के मामले में समृद्ध नहीं है और इसकी बिजली की मांग बहुत अधिक है और यह लगातार बढ़ रही है, जिसके लिए सभी स्रोतों का इष्टतम रूप से उपयोग करने की आवश्यकता है। नाभिकीय विद्युत ऊर्जा का एक स्वच्छ विकल्प है और इसमें निरन्तर रूप से दीर्घावधि तक ऊर्जा संबंधी सुरक्षा प्रदान करने की पर्याप्त क्षमता है। 4780 मेगावाट की मौजूदा स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता, निर्माणाधीन परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने के बाद, वर्ष 2017 तक बढ़कर 10,080 मेगावाट तक पहुंच जाएगी। XIIवीं पंचवर्षीय योजना के प्रस्तावों में, 17,400 मेगावाट क्षमता वाले 19 नए रिएक्टरों से संबंधित कार्य शुरू करने की परिकल्पना की गई है। भविष्य में, और अधिक रिएक्टरों का निर्माण किए जाने की भी योजना है।

(ग) जी, हाँ। स्वदेशी और उसके साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से नाभिकीय ईंधन के अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में उपलब्ध होने की वजह से, देश में नाभिकीय विद्युत की उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो रही है। इसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	नाभिकीय विद्युत का कुल उत्पादन (मिलियन यूनिट में)	क्षमता गुणक
2008-09	14921	50
2009-10	18798	61
2010-11	26472	71
2011-12	32455	79
2012-13	32863	80

(घ) जी, हाँ। परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का एक संघटक यूनिट है, ने द्रवस्थैतिक वेधन रिग्स जैसी आधुनिकतम प्रौद्योगिकी को उपयोग में लाकर अपने सर्वेक्षण और अन्वेषण संबंधी कार्यकलापों द्वारा देश के विभिन्न भागों में यूरेनियम के अतिरिक्त निक्षेपों का पता लगाया है।

(ङ) अब तक परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय ने सितम्बर, 2013 की स्थिति के अनुसार 1,97,621 मीटरी टन *स्वस्थाने* यूरेनियम ऑक्साइड (U_3O_8) (1,67,582 टन यूरेनियम (U)) भंडारों की विद्यमानता का पता लगाया है, जिसमें से वित्त वर्ष 2012-13 और 2013-14 (सितम्बर, 2013 तक) में 22,611 मीटरी टन U_3O_8 (19,174 मीटरी टन) का पता लगाया गया है। हाल ही में, आंध्र प्रदेश में तुम्मलापल्ली और चित्रियाल; राजस्थान में रोहिल, झारखंड में बनडुंगरी, सिंगरीडुंगरी, नरवापहाड़ एक्टेंशन और बंगुरडीह; तथा मेघालय में वाहकुट, उमथोंगकुट और लोस्टायन में यूरेनियम के अतिरिक्त भंडारों का पता लगाया गया है।